शोध–प्रारूप

झारखण्ड निर्माणोत्तर नागपुरी साहित्य : एक विश्लेषणात्मक अध्ययन

विश्वविद्यालय नागपुरी विभाग,राँची विश्वविद्यालय,राँची से
पीएच.डी. उपाधि हेतु प्रस्तुत शोध प्रारूप की रूपरेखा
संकाय– जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा
वर्ष–2024

शोध निर्देशक

डॉ.पार्वती मुन्डू
सहायक प्राध्यापक
जगन्नाथ नगर महाविद्यालय,धुर्वा
राँची,झारखण्ड-834004।

शोधकर्त्ता

अभिजीत कुमार
एम.ए नागपुरी
यू.जी.सी नेट/एन.एफ.ओ.बी.सी.
विश्वविद्यालय नागपुरी विभाग
राँची विश्वविद्यालय,राँची।

प्रस्तावना

मनुष्य सृष्टि के सभी प्राणियों में परमात्मा का सर्वश्रेष्ठ सृजन है। अत: शोध किसी भी देश काल में निवास कर रहे प्रत्येक व्यक्ति अथवा मानव जगत के ज्ञान में अभिवृत्ति एवं प्रत्येक समाज व राष्ट्र के विकास हेतु आवश्यक है। शोध एक ऐसी विधा है जो किसी भी क्षेत्र विशेष के प्रगति एवं विकास हेतु आवश्यक बन जाता है क्योंकि इसके बिना मानव जगत,समाज व राष्ट्र की प्रगति संभव नहीं हैं। जिन मानव जगत,समाज व राष्ट्र ने शोध के महत्व को समझकर इसे अपनाया है वह निरंतर आगे बढ़ने में तत्पर है।

किसी भी क्षेत्र विशेष के लिए शोध एक ऐसी कुंजी के समान है जिससे मानव का बौद्धिक विकास ही नहीं अपितु दैनिक जीवन में आने वाले समास्याओं का हल प्राप्त करने में,अपने ज्ञान को निरंतर बढ़ाने में, नए-नए अवधारणा विकसित करने में तथा शोध से उसके नए आयाम एवं प्रगति में भी सहायता मिलती है।

झारखण्ड की प्रकृति सौंदर्य जितना मनमोहक है उतना ही झारखण्ड के विभिन्न क्षेत्रों में बोली जाने वाली क्षेत्रीय भाषा भी मनमोहक है। नागपुरी भाषा भी इन क्षेत्रीय भाषाओं में से एक है नागपुरी भाषा के उत्पत्ति का कोई लिखित प्रमाण तो नहीं है किंतु विद्वानों के अनुमान के अनुसार नागपुरी भाषा की उत्पत्ति 5वीं से 6ठीं शताब्दी के आस पास माना जाता है जिस प्रकार अन्य देशी अथवा क्षेत्रीय भाषाओं का जन्म हुआ होगा।

नागपुरी भाषा के प्राचीन इतिहास को देखा जाए तो नागवंशी राज काल में नागपुरी राजभाषा के रूप में सुशोभित रह चुकी है। वर्त्तमान समय में नागपुरी भाषा पठारी क्षेत्र में मातृभाषा एवं सम्पर्क भाषा के रूप में स्थापित हो चुकी है।

जॉर्ज ग्रियर्सन के अनुसार नागपुरी भोजपुरी का ही विकृत रूप है। किन्तु अब यह स्थापित हो चुका है कि नागपुरी, झारखंड के अतिरिक्त उड़ीसा, छत्तीसगढ़, आसाम तथा अंडमान निकोबार के कुछ क्षेत्रों में प्रचलित एक मान्य भाषा है। इसका इतिहास काफी पुराना प्रतीत होता है। झारखण्ड की अन्य आदिवासी भाषाओं के साथ इसका सह अस्तित्व चिर काल से चला आ रहा है।

नागपुरी की काव्य परंपरा का प्राचीन रूप लोक गीतों के रूप में उपलब्ध है। अज्ञात काल से इन गीतों की समृद्ध परंपरा रही है। किन्तु शिष्ट गीतों के बारे में यही बात नहीं कही जा सकती। अब तक की जानकारी एवं शोध के अनुसार सत्रहवीं सदी (शासन काल 1626–1668) के नागवंशी राजा 'रघुनाथ नृपति' को नागपुरी काव्य परंपरा के प्रथम ज्ञात शिष्ट कवि का सम्मान प्राप्त है। किन्तु उनकी रचनाओं में भाषा के स्वरूप तथा काव्य कौशल को देखते हुए सहज ही पता चलता है कि उनके काल तक नागपुरी गीत परंपरा ने अपनी उँचाई छू ली थी। ऐसे में यह निश्चय होता है कि उनके पूर्व भी इस काव्य परंपरा का समृद्ध तथा विकासमान स्वरूप रहा होगा,जो उपलब्ध नहीं है।

राजा रधुनाथ के बाद कवि हनुमान सिंह, पदुमन सिंह, बरजु राम पाठक,दलेल सिंह, श्यामसुन्दर,उदयनाथ,दृपनाथ,हरिनाथ, गणेश राम, जयगोविन्द,दृग्पाल राम देवघरिया महेश राम, रतन साय, भवप्रीतानन्द, कुंजलाल, नरहरिदास, अनूप लाल,ठाकुर प्रसाद, सोबरन साय, रूंगटु मलार, कंचन, भीखु लोहार,बंधु लोहार,घासीराम,घासी महंत,प्रयाग दास, खड़गधर सिंह,बालमुकुंद नाथ,बान सिंह,लुंदरू दास,हरिहरनाथ,मदन सिंह, चमरू और बिसराम जैसे अनेकानेक सक्षम कवियों ने अपनी रचनात्मक प्रतिभा से नागपुरी सरस्वती का श्रृंगार किया। यह परंपरा आज भी अक्षुण्ण है।

आधुनिक काल में कवि शारदा प्रसाद शर्मा रश्मि,पौराणिक गौरीनन्दन शर्मा,सहनी उपेन्द्रपाल नहन,डॉ.बी.पी. केशरी, फादर पीटर शांति नवरंगी,धनेन्द्र प्रवाही,आचार्य मृत्युंजय नाथ शर्मा जयनाथ,लाल रणविजय नाथ शाहदेव,डॉ.गिरधारी राम गौझू,कृष्ण कलाधर, डॉ.सविता केशरी, डॉ.शकुन्तला मिश्र एवं डॉ.उमेश नन्द तिवारी जैसे अनेकानेक साहित्यकार पूरी रचनाधर्मिता के साथ नागपुरी साहित्य रचना में संलग्न रहे हैं।

नागपुरी साहित्य की इस परम्परा को आगे बढ़ाते हुए झारखण्ड निर्माणोत्तर नागपुरी साहित्य को गति प्रदान करने के लिए बहुत से लेखक,कवियों एवं शोधार्थीयों का निरंतर पदार्पण हो रहा है,जो नागपुरी साहित्य रचना से जुड़ते चले आ रहे है तथा इनके द्वारा अनेक नागपुरी साहित्यों का प्रकाशन भी कराया गया है। राँची विश्वविद्यालय,राँची से नागपुरी विभाग में

वर्त्तमान समय में अनेक शोधार्थीयों के द्वारा शोध-कार्य किए जा रहे है,जो अन्य विषयों के तुलना में अधिक संख्या में है। इसके अलावे नागपुरी साहित्य की सेवा के लिए मधुमंसुरी हंसमुख,मुकुन्द नायक,डॉ.गिरधारी राम गौझू जैसे साहित्यकारों को पद्मश्री सम्मान से सम्मानित किया गया है। साथ ही साथ कई अनेक साहित्यकार जैसे महावीर नायक को संगीत नाटक अकादमी द्वारा अमृत सम्मान एवं कृष्ण कलाधर को राष्ट्रीय प्रतिभा सम्मान-2024 एवं पूर्व में कई सम्मान से सम्मानित किया गया है।

उपरोक्त तथ्यों एवं उपलब्धियों को ध्यान में रखकर कहा जा सकता है कि नागपुरी साहित्य का भविष्य उज्जवल है। झारखण्ड निर्माणोत्तर नागपुरी साहित्य में अनेकानेक कार्य किए जा रहे है,जिसका विस्तृत अध्ययन एवं विश्लेषण करना आवश्यक होगा।

शोध की परिकल्पना

विभिन्न विषयों एवं भाषाओं के समान ही झारखण्ड के जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषाओं में भी शोध कार्य किए जा रहे हैं। वर्त्तमान समय में यह देखा जा रहा है,कि शोधकर्त्ताओं की रूचि नागपुरी भाषा साहित्य में बढ़ी है एवं शोधकर्त्ताओं के द्वारा नागपुरी भाषा साहित्य के विभिन्न विषयों में शोध किए जा रहे हैं। शोध की परिकल्पना किसी भी शोध कार्य की नींव होती है, अर्थात् परिकल्पना शोध कार्य को सफलतापूर्वक सम्पन्न करने में अहम भूमिका निभाती है। परिकल्पना का अर्थ ही शोध कार्य से पूर्व की जाने वाली चिंतन से होती है। यह शोध कार्य से सम्बंधित ऐसी विधा है जिससे किसी भी शोध विषय के समस्या से लेकर समाधान तक का ज्ञान पूर्व में ही हो जाता है। **झारखण्ड निर्माणोत्तर नागपुरी साहित्य : एक विश्लेषणात्मक अध्ययन** के द्वारा उनके चिंतन एवं विभिन्न पक्षों के अध्ययन के फलस्वरूप साहित्य के विभिन्न पहलुओं को जानने एवं समझने का प्रयास किया जाएगा।

शोध विषय की प्रेरणा

मेरा जन्म झारखण्ड के दक्षिणी छोटानागपुर के राँची जिला में हुआ है एवं मेरा रहन–सहन,पठन–पाठन ग्रामीण क्षेत्रों में ही हुआ है। यही कारण है कि मेरा सर्मूपण जीवन ग्रामीण स्थिति और परिस्थिति से जुड़ा है। मेरी मातृभाषा नागपुरी है और मैंने अपनी

स्नातकोत्तर की पढ़ाई करमचंद भगत कॉलेज बेड़ो से सम्पन्न किया है। इस दौरान मुझे कई नागपुरी रचनाकारों के रचनाओं को पढ़ने का अवसर प्राप्त हुआ,पढ़कर काफी प्रभावित हुआ और मुझे लगा कि अगर शोध कार्य करने का अवसर मिला तो मैं झारखण्ड निर्माणोत्तर नागपुरी साहित्य से सम्बंधित रचनाओं का एक विश्लेषणात्मक अध्ययन करने का कोशिश करूंगा ताकि आनेवाले नए पीढ़ी को इस शोध कार्य से कुछ जानकारियाँ उपलब्ध करा सकूँ।

मैंने शोध विषय की चर्चा जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग नागपुरी के विभागाध्यक्ष डॉ0 सविता केशरी, डॉ0 उमेश नंद तिवारी, शिक्षक डॉ0 वीरेंद्र कुमार महतो, डॉ0 अंजु कुमारी साहू,शोध निर्देशक डॉ0 पार्वती मुन्डू एवं अन्य प्राध्यापकों के बीच किया,सभी ने मुझे प्रेरित किया। मैं शोध कार्य से नागपुरी भाषा में ईमानदारी से अपना बेहतर योगदान देने का प्रयास करूंगा।

शोध कार्य का उद्देश्य

किसी भी शोध कार्य को प्रारंभ करने से पूर्व शोध से सम्बंधित उद्देश्य का निर्धारण किया जाता है। प्रस्तावित काल में इस शोध प्रस्ताव का निम्नलिखित उद्देश्य है –

- नागपुरी भाषा एवं नागपुरी साहित्य का विश्लेषणात्मक अध्ययन करना।
- नागपुरी भाषा,कला,साहित्य एवं संस्कृति का क्षेत्र विस्तार करना।
- नागपुरी साहित्य को समृद्ध करना।
- नागपुरी साहित्य के विभिन्न पक्षों को उजागर करना।
- झारखण्ड निर्माणोत्तर नागपुरी साहित्य को संग्रहित करना।

शोध का महत्व

ऋग्वेद में संस्कृत में प्रतिपादित एक सूक्ति है **बहुजन सुखाय बहुजन हिताय च**। किसी भी साहित्य का महत्व तभी होता है जब साहित्य में इस सूक्ति की भावना निहित होती है। इस शोध कार्य से झारखण्ड निर्माण के बाद झारखण्ड की आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक एवं सांस्कृतिक स्थितियों का नागपुरी साहित्य में पड़ने वाला प्रभाव को समझा जा सकेगा।

विषय से सम्बंधित पूर्व में हुए शोध कर्यो का विवरण से विद्यार्थियों को अपेक्षित अध्ययन सामग्री प्राप्त करने में सहायता मिलेगी। शोध कार्य सामग्री की उपलब्धता बढने से विद्यार्थियों में नागपुरी भाषा के प्रति रूचि बढ़ेगी। जिससे नागपुरी भाषा साहित्य का क्षेत्र विस्तार भी होगा। मेरे शोध कार्य से सम्बंधित

शोध विधि

प्रस्तावित शोध प्रारूप के अध्ययन हेतु निम्नलिखित शोध विधियों का आवश्यकतानुसार उपयोग किया जाएगा।

- साक्षात्कार विधि
- तुलनात्मक विधि
- विश्लेषणात्मक विधि
- वर्णात्मक विधि
- अवलोकन विधि
- आलोचनात्मक विधि

उपर्युक्त शोध विधि के अलावे आवश्यकतानुसार अन्य शोध विधि का प्रयोग किया जा सकता है।

शोध उपकरण

* कैमरा।
* कम्प्यूटर।
* लैपटॉप।
* मोबाइल।
* सूचनादाता।
* सम्बंधित पुस्तकें।
* टेप रिकॉर्डर।
* पुस्तकालय।
* पेनड्राईव ।
* इंटरनेट का प्रयोग आदि।

झारखण्ड निर्माणोत्तर नागपुरी साहित्य : एक विश्लेषणात्मक अध्ययन

अध्यायीकरण

प्रस्तावना :–

- शोध की परिकल्पना
- शोध विषय की प्रेरणा
- शोध कार्य का उद्देश्य
- शोध का महत्व
- शोध विधि
- शोध उपकरण

- **पहला अध्याय– झारखण्ड निर्माण पूर्वोत्तर नागपुरी साहित्य**
  - 1.1 पद्य साहित्य
  - 1.2 गद्य साहित्य
  - 1.3 चम्पू साहित्य
- **दूसरा अध्याय– झारखण्ड निर्माणोत्तर नागपुरी पद्य साहित्य**
  - 2.1 महाकाव्य
  - 2.2 खण्डकाव्य
  - 2.3 स्फुट गीत
  - 2.4 स्फुट कविता
- **तीसरा अध्याय– झारखण्ड निर्माणोत्तर नागपुरी गद्य साहित्य**
  - 3.1 कहानी
  - 3.2 उपन्यास
  - 3.3 निबंध
  - 3.4 जीवनी
  - 3.5 आत्मकथा
  - 3.6 संस्मरण
  - 3.7 रिपोर्ताज
  - 3.8 यात्रा वृतांत
  - 3.9 अनुवाद साहित्य

- **चौथा अध्याय – झारखण्ड निर्माणोत्तर नागपुरी नाट्य साहित्य**
    - 4.1 नाट्य साहित्य का उद्भव
    - 4.2 प्रमुख नाटक
- **पाचवाँ अध्याय– झारखण्ड निर्माणोत्तर नागपुरी पत्र-पत्रिकाएँ एवं संचार माध्यम**
    - 5.1 डहर
    - 5.2 पझरा
    - 5.3 झारखण्डी भाषा साहित्य संस्कृति अखड़ा
    - 5.4 जोहार सहिया
    - 5.5 गोतिया
    - 5.6 राँची एक्सप्रेस
    - 5.7 प्रभात खबर मंत्र
    - 5.8 खबर मंत्र
    - 5.9 रेडियो
    - 5.10 दूरदर्शन
- **छठवाँ अध्याय – झारखण्ड निर्माणोत्तर नागपुरी व्याकरण**
    - 6.1 नागपुरी (सदानी) व्याकरण
    - 6.2 नागपुरी कर संक्षिप्त व्याकरण
    - 6.3 सदानी नागपुरी व्याकरण
    - 6.4 नागपुरी भासा-ब्याकरन : एक अध्ययन
- **सातवाँ अध्याय – झारखण्ड निर्माणोत्तर नागपुरी शब्दकोश**
    - 7.1 सदानी नागपुरी-हिन्दी शब्दकोश
- **निष्कर्ष**
- **उपसंहार**

नोट :- प्रस्तावित शोध प्रारूप की रूपरेखा में आवश्यकतानुसार आंशिक परिवर्तन किए जा सकते हैं।

- **परिशिष्ट :–**
    - आधार ग्रंथों की सूची
    - संदर्भ ग्रंथों की सूची
    - समाचार पत्रों की सूची
    - पत्र–पत्रिकाओं की सूची
    - संपर्क तथा साक्षात्कार सूची
    - अन्य– फोटो आदि

शोध निर्देशक

शोधकर्त्ता

डॉ.पार्वती मुन्डू
सहायक प्राध्यापक
जगन्नाथ नगर महाविद्यालय,धुर्वा
राँची,झारखण्ड-834004।

अभिजीत कुमार
एम.ए नागपुरी
यू.जी.सी नेट/एन.एफ.ओ.बी.सी.
विश्वविद्यालय नागपुरी विभाग
राँची विश्वविद्यालय,राँची।

आधार ग्रंथों की सूची :–

क्र.सं.	रचनाकार	पुस्तक	प्रकाशक	वर्ष
01.	अली,डॉ.नाफर	कविरत्न नईमुद्दीन मिरदाहा : जीवन एवं साहित्य	शोध प्रबंध अप्रकाशित	
02.	अंसारी,डॉ.ए.अय्याज	मधुमंसूरी,हंसमुख : जीवन एवं साहित्य	शोध प्रबंध अप्रकाशित	2016
03.	केशरी,डॉ.सविता	नागपुरी कवि कंचन जीवन साहित्य	नागपुरी संस्थान, राँची	2015
04.	केशरी,डॉ.समरीता	कविरत्न शारदा प्रसाद शर्मा व्यक्तित्व एवं कृतित्व	के.के पब्लिकेशन, इलाहाबाद	2013
05.	गिरिराज,डॉ.गिरिधारी राम गौंझू	पीटर शांति नवरंगी व्यक्तित्व एवं कृतित्व	पझरा प्रकाशन नागपुरी प्रचारिणी सभा,राँची	1990
06.	तिवारी,डॉ.उमेश नन्द	आधुनिक नागपुरी,साहित्य संदर्भ प्रफुल्ल कुमार राय एक मूल्यांकन	झारखण्ड झरोखा, राँची	1990
07.	दुबे,डॉ.विश्नाथ	धनीराम बक्शी : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	शोध प्रबंध अप्रकाशित	1981
08.	मिश्रा,डॉ.अनुपमा	सहनी उपेन्द्र पाल नहन	शोध प्रबंध अप्रकाशित	
09.	लकड़ा,डॉ.मालती वगीशा	लाल रणविजय नाथ शाहदेव	शोध प्रबंध अप्रकाशित	2019

10.	शर्मा,डॉ.अच्युतानंद	नागपुरी के प्राचीन कवि बरजुराम : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	शोध प्रबंध अप्रकाशित	2011
11.	षाड़ंगी,डॉ.अशोक	आचार्य,मृत्युंजय नाथ शर्मा : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	शोध प्रबंध अप्रकाशित	2011
12.	साहु,डॉ.सुखदेव	डॉ.भुनेश्वर अनुज : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	झारखण्ड झरोखा, राँची	2011
13.	साहु,डॉ.मनोहर	डॉ.बी.पी.केशरी दृष्टि एवं सृष्टि	झारखण्ड झरोखा, राँची	2021
14.	सविता,डॉ.केशरी	नागपुरी कवि कंचन : जीवन एवं साहित्य	झारखण्ड झरोखा, राँची	2013

संदर्भ ग्रंथों की सूची :–

01. **हरिऔध और उनका प्रियप्रवास**–श्री कृष्ण कुमार सिन्हा –2000, राजराजेश्वरी पुस्तकालय,गया।

02. **फुलसुंदरी**–चौदह ललित निबंधों का संकलन। प्रकाशक– श्रीमती प्रमिला साहू,सिसई। प्रथम संस्करण, प्रकाशन वर्ष –अक्टूबर,सन् 2000 ई.।

03. **परकाला**–चौदह ललित निबंधों का संकलन। प्रकाशक– श्रीमती प्रमिला साहू, सिसई। प्र.व.–सन् 2000 ई.।

04. **मदखाना**–डॉ.हरिवंश राय बच्चन की काव्य कृति **''मधुशाला''** का नागपुरी काव्यानुवाद। प्रथम संस्करण। प्रकाशक –श्रीमती प्रमिला साहू,सिसई। प्रकाशन वर्ष अगस्त सन् 2000 ई.।

05. **दूत जलधर**–कवि कालिदास कृत ''मेघदूतम्''का नागपुरी पद्यानुवाद। प्रथम संस्करण। प्रकाशक–कृष्ण प्रसाद साहू,सिसई। प्रकाशन वर्ष–सन् अगस्त 2002 ई.।

06. **साहित्यिक निबन्ध**– गणपति चन्द्र गुप्त – 2003, लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद।

07. **स्वातंत्र्योत्तर नागपुरी साहित्य,एक शास्त्रीय.अध्ययन**– डॉ. रामप्रसाद –2003, समय प्रकाशन,दिल्ली–110092

08. **नागपुरी भाषा और साहित्य**–डॉ.बी.पी.केशरी– द्वि.सं.–2005,छोटानागपुर सांस्कृतिक संघ,

09. **साहित्य के तत्व और आयाम**–डॉ.बी.पी.केशरी – पुनर्मुद्रण–2007,नागपुरी संस्थान,पिठोरिया

10. **नागपुरी काव्य में प्रकृति–चित्रण**–डॉ.त्रिवेणीनाथ साहु – 2008,वाराणसी

11. **नागपुरी (सदानी) व्याकाण**– डॉ.उमेश नन्द तिवारी,डॉ.शकुन्तला मिश्र– 2010 ई.।

12. **काव्य के तत्व**– देवेन्द्रनाथ शर्मा – 2011,लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद–1

13. **सदानी नागपुरी-हिन्दी शब्दकोश** – डॉ.उमेश नन्द तिवारी,डॉ.शकुन्तला मिश्र– 2011 ई.।

14. **अबिनासी घासी–महाकाव्य।** प्रकाशक –नागपुरी संस्थान,पिठोरिया। प्रकाशन वर्ष– जनवरी 2011 ई.।

15. **लोपाई छन्द**–नागपुरी के परंपरागत छन्दों की खोज में एक नवीन शोधपरक दृष्टिकोण की प्रस्तुति। प्रकाशक –नागपुरी संस्थान,पिठोरिया। प्रकाशन वर्ष – जनवरी 2011 ई.।

16. **नागपुरी के प्रचीन कवि**–डॉ.गिरधारी राम गौझू,डॉ.राम प्रसाद,डॉ.शकुन्तला मिश्र–2012 ई.।

17. **लवका (आधुनिक नागपुरी पद्य संकलन)-**डॉ.उमेश नन्द तिवारी,डॉ.शकुन्तला मिश्र–2012।

18. **एक चकता रउद (नागपुरी कहानी संग्रह)-**डॉ.उमेश नन्द तिवारी,डॉ.शकुन्तला मिश्र–2012

19. **बनकेवरा भाग-1(नागपुरी गद्य-पद्य)-** डॉ.कुमारी वासंती,डॉ.उमेश नन्द तिवारी,डॉ.शकुन्तला मिश्र–2012 ई.।

20. **बनकेवरा भाग-2 (नागपुरी गद्य-पद्य)-** डॉ.कुमारी वासंती,डॉ.उमेश नन्द तिवारी, डॉ.शकुन्तला मिश्र–2012 ई.।

21. **कॉँटी (कहानी संग्रह)-** डॉ.बी.पी.केशरी प्रकाशन वर्ष–2012 ई.।

22. **नागपुरी भासा-ब्याकरन : एक अध्ययन-**डॉ. बीरेन्द्र कुमार महतो–2012 ई.।

23. **ग्लोबल गाँव कर देवता (नागपुरी उपन्यास)-** मूल. रणेद्र, अनु. ज्ञानोत्तम विधि–2012 ई.।

24. **नागपुरी भाषा उद्‌गम और विकास-**डॉ.बी.पी.केशरी प्रकाशन वर्ष–2013 ई.।

25. **मंजर भाग-2(नागपुरी गद्य-पद्य सं.)-**डॉ.उमेश नन्द तिवारी,डॉ.शकुन्तला मिश्र–2013 ई.।

26. **मंजूर पाँईख (नागपुरी कहानी संग्रह)-**नईमुद्दीन मिरदाहा–2013 ई.।

27. **हीरानागपुर कर हीरा (नागपुरी एकांकी नाटक संग्रह)-**डॉ.गिरधारी राम गौझू,–2013 ई.

28. **सतो नदी पार (नागपुरी उपन्यास)-**डॉ.शकुन्तला मिश्र–2017 ई.।

29. **ईसु चरित–खण्ड काव्य।** प्रकाशक–नागपुरी संस्थान,पिठौरिया। प्रकाशन वर्ष–जनवरी 2017 ई.।

30. **नागपुरी कर संक्षिप्त व्याकरण-** डॉ. सुधीर कुमार राय -2017 ई.।

31. **सदानी नागपुरी व्याकरण-** डॉ.गिरधारी राम गौझू-2021 ई.।

पत्र–पत्रिकाओं की सूची :–

01. आदिवासी (सप्ताहिक),राँची
02. जय झारखंड (त्रैमासिक),डाल्टेनगंज
03. डहर
04. पझरा
05. नागपुरी कला संगम पत्रिका
06. झारखण्डी भाषा साहित्य संस्कृति अखड़ा
07. जोहार सहिया
08. गोतिया
09. छोटानागपुर एक्सप्रेस आदि पत्रिकाओं के विविध अंकों का आवश्यकतानुसार उपयोग।

समाचार पत्रों की सूची :–

01. प्रभात खबर–कोकर,राँची
02. हिंदुस्तान–कोकर,राँची
03. दैनिक जागरण–कोकर,राँची
04. दैनिक भास्कर–रातू रोड,राँची
05. राँची एक्सप्रेस–अपर बाजार राँची